

बैठक का कार्यवृत्त

शारदा संगोष्ठी एवं वार्षिक उत्सव का आयोजन

आज विद्यालय प्रांगण में शारदा संगोष्ठी एवं विद्यालय वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य, अभिभावक, आउट ऑफ स्कूल बच्चों के अभिभावक, एसएमसी के सदस्य एवं अध्यक्ष उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य

इस संगोष्ठी एवं वार्षिक उत्सव का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय में नामांकन, उपस्थिति एवं ठहराव में वृद्धि सुनिश्चित करना था। साथ ही, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं टीम भावना विकसित करने के लिए अभिभावकों और समुदाय की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना था, ताकि बच्चों को स्कूल छोड़ने से रोका जा सके।

संगोष्ठी की मुख्य बातें

संगोष्ठी के दौरान आउट ऑफ स्कूल बच्चों के विषय में विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों द्वारा किए जा रहे प्रयासों को भी साझा किया गया। चिन्हित आउट ऑफ स्कूल बच्चों के अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया, जहां शिक्षा के महत्व, नियमित उपस्थिति की अनिवार्यता एवं ड्रॉपआउट के दुष्प्रभावों पर चर्चा की गई।

विद्यार्थियों का सम्मान

बैठक में सबसे अधिक उपस्थिति दर्ज कराने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। साथ ही, उनके अभिभावकों का सम्मान किया गया।

आयोजन की विशेषताएँ

बैठक को प्रभावी बनाने के लिए टेंट, कुर्सी एवं बैनर की व्यवस्था की गई।

छात्रों द्वारा रंगोली निर्माण कराया गया।

विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं स्टाफ के लिए जलपान की व्यवस्था की गई।

प्रत्येक कक्षा में सर्वाधिक उपस्थिति वाले छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

गायकों एवं प्रतिभाशाली छात्रों को भी सम्मानित किया गया।

खेलकूद प्रतियोगिताएँ

वार्षिक उत्सव के अंतर्गत विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें:

कक्षा 3 से 5 के बच्चों के लिए 50 एवं 100 मीटर दौड़

कक्षा 6 से 8 के बच्चों के लिए 100 एवं 200 मीटर दौड़ शामिल थीं।

सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताएँ

इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता, नाटक एवं कहानी लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिनमें छात्रों ने बड़-चढ़कर भाग लिया।

समापन

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्र० अ० द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने की अपील की एवं सभी पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्रों और अभिभावकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही, अन्य विद्यार्थियों को इनसे प्रेरणा लेने का आग्रह किया गया।